

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक

/ 2014 रिवीजन

R 2721-114

1. आरामबाई पत्नी श्री लखपत सिंह आयु 40 साल व्यवसाय गृहकार्य
2. आधारबाई पत्नी श्री रमेश सिंह आयु 38 साल व्यवसाय गृहिणी
3. रामकन्या बाई पत्नी सौदान सिंह आयु 32 साल , व्यवसाय गृहिणी निवासीगण - ग्राम सरवर पुर तहसील सिरोंज जिला विदिशा म.प्र.

..... आवेदकगण

बनाम

1. मुकेश पुत्र घनश्याम सेन आयु 25 साल
2. सुरेश पुत्र घनश्याम सेन आयु 23 साल निवासीगण ग्राम देवपुर तहसील सिरोंज जिला विदिशा म.प्र.
3. शाहिद हुसैन पुत्र तजम्मुल हुसैन आयु 58 साल निवासी मोहल्ला बोहरबाडी सिरांज जिला विदिशा म.प्र.

..... अनावेदकगण

निगरानी अंतर्गत धारा 50 (1) म.प्र. भू राजस्व संहिता विरुद्ध न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज जिला विदिशा प्रकरण क्रमांक 57/ अपील/ 2012- 13 में पारित आदेश दिनांक 24.7.2014 से परिवेदित होकर।

माननीय न्यायालय ,

आवेदकगण की ओर से निगरानी निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

श्री विजय श्रीवास्तव, श्री P  
द्वारा आज 25-8-14 को  
प्रस्तुत

कल  
25-8-14  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर





48.15 यह निगरानी अनुविभागीय अधिकारी, सिरोंज जिला विदिशा द्वारा प्रकरण क्रमांक 57/2012-13 अपील में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 24-7-2014 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ निगरानी मेमो में वर्णित तथ्यों पर आवेदक एवं अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के अभिभाषक के तर्क सुने। अनावेदक क्रमांक 3 अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है। प्रस्तुत अभिलेख का अवलोकन किया गया।

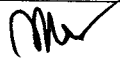
3/ पक्षकारों के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से पाया गया कि विचाराधीन निगरानी में मुख्य आधार यह लिया गया है कि ग्राम जैतपुरा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 417/2 रकबा 1.732 हैक्टर में से 0.467 है. (आगे जिसे वादग्रस्त भूमि सम्बोधित किया गया है) पर ग्राम की नामान्तरण पंजी क्रमांक 01 पर आदेश दिनांक 25.7.2001 से क्रेता का नामांतरण हुआ है जिसके विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के समक्ष दिनांक 30.1.2013 को प्रथम अपील प्रस्तुत हुई है जो समय वाह्य होते हुये अंतरिम आदेश दिनांक 24-7-2014 से गलत आधारों पर विलम्ब क्षमा किया गया है।

4/ समयावधि के बिन्दु पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज के न्यायालय के प्र० क्र० 57/12-13 अपील में अपीलाट्स द्वारा प्रस्तुत अवधि विधान की धारा-5 के आवेदन में वर्णित तथ्यों अनुसार ग्राम पंचायत ने नामान्तरण करते समय अपीलाट्स को कोई सूचना नहीं दी, उन्हें नामान्तरण की जानकारी तब हुई, जबकि दिनांक 22.12.12 को खसरे की नकल निकलवाई। इसके बाद ग्राम

पंचायत से नामान्तरण पंजी की नकल मांगी, किन्तु उन्होंने बार-बार संपर्क करने पर नकल नहीं दी। इसलिये जानकारी के दिन से समयावधि में अपील की गई है। रिप्पा 0 के इन्हीं तथ्यों पर विश्वास करके अनुविभागीय अधिकारी ने अंतरिम आदेश दिनांक 24-7-14 से अपील प्रस्तुत करने में हुआ लगभग 10 वर्ष 06 माह का विलम्ब क्षमा किया है।

5/ आवेदकगण की ओर से अभिभाषक ने वादग्रस्त भूमि के पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक 20.4.2001 की छायाप्रति प्रस्तुत कर निवेदन किया कि अनावेदक क-3 ने अनावेदक क-1 व 2 के लीगल गार्जियन पिता धनश्याम से कय की है एवं केता का नामान्तरण होने के बाद इसी भूमि को आवेदकगण ने पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक 28.8.2010 से कय की है। दो बार कय - विक्रय होने एवं दो बार नामान्तरण की कार्यवाही होने पर अनावेदक क-1 व 2 एवं उनके विक्रेता पिता को इसकी जानकारी न रही हो, अविश्वसनीय है जिसके कारण अवधि विधान की धारा-5 में दिये गये तथ्य गलत है।

6/ विचार योग्य बिन्दु है कि जब वादग्रस्त भूमि अनावेदक क-3 ने पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक 20.4.2001 से कय की है तथा नामान्तरण होने के उपरांत इस भूमिस्वामी ने पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक 28.8.2010 से वादोक्त भूमि आवेदकगण को विक्रय कर दी एवं उनका नामान्तरण हुआ। विक्रय पत्र मुकेश एवं सुरेश के लीगल गार्जियन पिता धनश्याम ने संपन्न कराया है, तब यही माना जावेगा कि अनावेदक क-1,2 के पिता को रही जानकारी उन पर बाध्यकर है और विक्रय पत्र के बारे में जानकारी अनावेदक क-1 एवं 2 को रही है। ऐसी स्थिति में दिनांक 30.1.2013 को यानि लगभग 10 वर्ष 06 माह वाद प्रस्तुत अपील में विलम्ब क्षमा नहीं किया जा सकता। वादग्रस्त भूमि का प्रथम विक्रय शाहिद हुसैन पुत्र तज्जुमल हुसैन के नाम हुआ है। उसके बाद इस केता ने आवेदकगण के हित में भूमि का विक्रय पत्र दिनांक 28.8.10



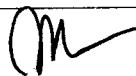
को संपन्न कराया है। ऐसी स्थिति में यह नहीं माना जा सकता कि वादग्रस्त विक्रय पत्रों पर से मौके की स्थिति अनुसार भूमि के कब्जे के आदान-प्रदान होने की स्थिति वावत् जानकारी अनावेदक क-1 व 2 को न हुई हो।

1. भू राजस्व संहिता 1959(म0प्र0) धारा-47 एवं परिसीमा अधिनियम 1963- धारा-5 - अनुचित विलम्ब क्षमा करके एक पक्षकार को लाभ देते हुये द्वितीय पक्षकार को प्रोद्भूत मूल्यवान अधिकार को विनष्ट नहीं किया जा सकता ।

2. भू राजस्व संहिता 1959(म0प्र0) धारा-47 एवं परिसीमा अधिनियम 1963- धारा-5 - विलम्ब माफी हेतु आवेदन - दिन प्रतिदिन का हिसाब नहीं दिया। आवेदन में सही स्थिति नहीं दर्शाई - विलम्ब माफ नहीं किया जा सकता।

7/ प्रकरण के अवलोकन से स्थिति यह है कि जब वादग्रस्त भूमि दिनांक 20.4.2001 को अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के स्वत्व एवं स्वामित्व सहित अनावेदक क्रमांक 3 को विक्रय हो गई, इस विक्रय पत्र के आधार पर अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के स्वत्व व स्वामित्व अंतरित होने से वादग्रस्त भूमि में उनका अधिकार नहीं रहा। अनावेदक क्रमांक 3 ने वादग्रस्त भूमि का अंतरण आवेदकगण के हित में पंजीयत विक्रय पत्र दिनांक 28.8.2010 से कर दिया, तब क्या अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के वादग्रस्त भूमि से हित जुड़े माने जाकर नामांतरण आदेश के विरुद्ध अपील/ निगरानी सुनवाई योग्य है ?

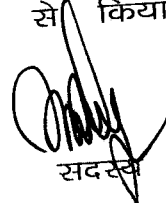
भू राजस्व संहिता 1959(म0प्र0) धारा-109 , 110 - नामान्तरण कार्यवाही - अन्य व्यक्ति का विवादग्रस्त भूमि में कोई अधिकार नहीं रहा - वह आवश्यक पक्षकार नहीं है - उसे आपत्ति प्रस्तुत करने या अपील प्रस्तुत करने का अधिकार नहीं है।



8/ अनावेदक क्र-2 के अभिभाषक द्वारा बताया गया है कि वादग्रस्त भूमि अल्पवयस्क की होने के कारण उनके वयस्क होने के उपरांत ऐसी भूमि पर उनके स्वत्व व स्वामित्व जाग्रत हो जाते हैं। विचाराधीन प्रकरण नामान्तरण वावत् है, स्वत्व के निराकरण हेतु राजस्व न्यायालय सक्षम न होने से अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के अभिभाषक द्वारा उठाई गई यह आपत्ति विचार योग्य नहीं है।

9/ उपरोक्त कारणों से पाया गया कि अनुविभागीय अधिकारी सिरोंज ने अनावेदक क्रमांक-1 व 2 द्वारा प्रस्तुत अपील में हुये लगभग 10 वर्ष 06 माह के अतिविलम्ब को गलत आधारों पर क्षमा किया है एवं अनावेदक क्रमांक 1 व 2 के अहितबद्ध होते हुये भी हितबद्ध पक्षकार मानने में भूल की है।

10/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी स्वीकार की जाकर अनुविभागीय अधिकारी, सिरोंज जिला विदिशा द्वारा प्रकरण क्रमांक 57/2012-13 अपील में पारित अंतरिम आदेश दिनांक 24-7-14 त्रुटिपूर्ण होने से निरस्त किया जाता है। परिणामतः ग्राम जैतपुर की नामान्तरण पंजी पर 01 ग्राम पंचायत के आदेश दिनांक 25.07.2001 से किया गया नामान्तरण स्थिर रहता है।

  
सदस्य

